हे री कोई आया हे जगत मे

हे री कोई आया हे जगत मे.
आतम ग्यान कराने वाला।
आतम ग्यान करने वाला.
रविदास कहाने वाला॥

नहाने के बहाने मै तो.
गंगा पर गई थी।
हे री वे तो गंगा मे
समाएँ .....॥

पुजा के बहाने मैतो.
मन्दिर मे गई थी ।
हे री वे तो ज्योति मे
समाएँ.....॥

दर्सन के बहाने मतो.
सत्सग मे गई थी ।
हे री वे तो संतो मे
समाएँ.....॥

कह मीरा रविदास जी की चेली .
सुनियो हे मेरी सखी सहेली ।

हे री गुरू हृदय मे समाएँ..... ॥
आत्म ग्यान करने वाले

Source:
https://www.bharattemples.com/he-rii-koi-aya-he-jagat-me-atama-gyan-karane-vala/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw